WELCOME TO

MANMESH INDUSTRIES PVT. LTD.

अपनी मुस्कान को बनाना चाहते हैं आकर्षक, तो आयुर्वेदिक Toothpaste को करें इस्तेमाल

दांतों को क्लीन रखने के लिए यहां आपको आयुर्वेदिक टूथपेस्ट की जानकारी दी जा रही है। यह सभी टूथपेस्ट आपके दांतों को ब्राइट व्हाइट बनाने के साथ ही आपकी सांसों को भी फ्रेश बना सकता है।

अच्छे टूथपेस्ट का चुनाव करना बहुत जरुरी होता है। क्योंकि अगर आप अच्छे टूथपेस्ट का इस्तेमाल नहीं करते, तो आपको कई ओरल प्रॉब्लम हो सकती है। इसलिए आज हम आपको आयुर्वेदिक और नेचुरल हर्ब्स से बने Ayurvedic Toothpaste on Dant-Nirogi के बारे में बता रहे हैं। जो आपके दांतों की गंदगी को साफ करने के साथ ही व्हाइट बनाता है। जिससे आपकी हर मुस्कान आकर्षक बनती है।

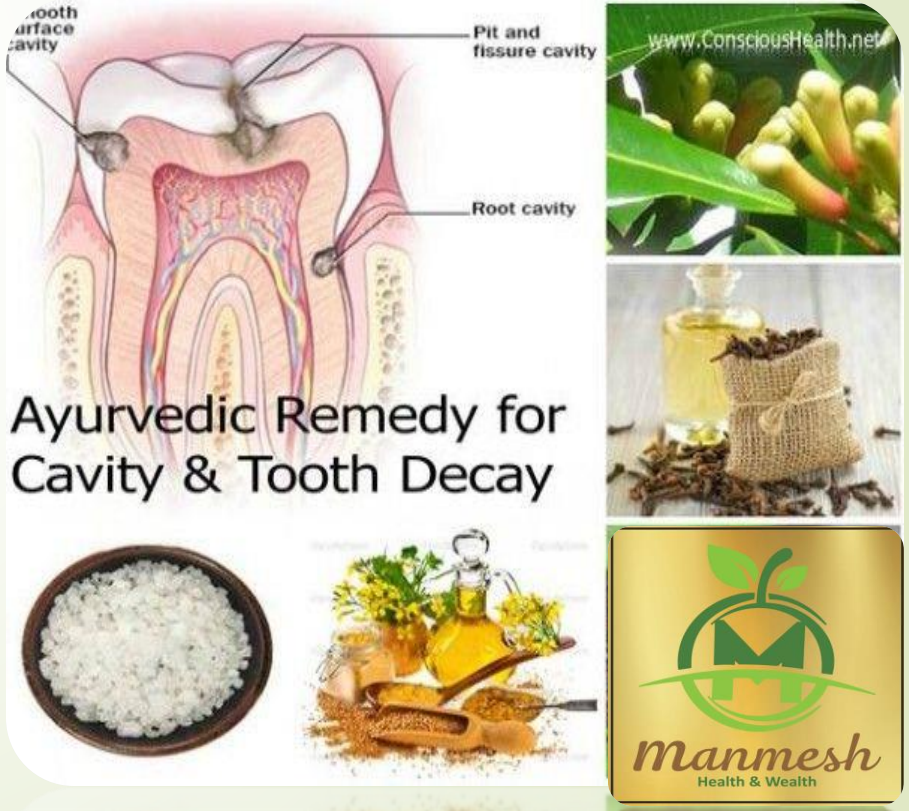

यह बहुत ही बढ़िया और फायदेमंद टूथपेस्ट है।

यह इंडिया का सबसे ट्रस्टेड और बेस्ट टूथपेस्ट है। यह Dant-Nirogi आयुर्वेदिक टूथपेस्ट है। इस Ayurvedic Toothpaste Pudina, Nimbu में लवंग, तुलसी और नीम के प्राकृतिक गुण हैं। जो एंटी-जर्म, टीथ स्ट्रेटनिंग, मसाज, फ्रेशनेस और गम केयर के लिए फायदेमंद होते हैं। रोजाना दिन में 2 बार ब्रश करने से हेल्दी टीथ मिलते हैं।

इसमें कई आयर्वेदिक और हर्बल इंग्रेडिएंट्स को शामिल किया गया है। इस टूथपेस्ट में फ्लोराइड का इस्तेमाल नहीं किया गया है। यह एंटीबैक्टीरिअल, एंटीइंफ्लेमेटरी और एस्ट्रिंजेंट प्रॉपर्टी के साथ आता है। जो कैविटी प्रोटेक्शन के साथ आपके टीथ को भी व्हाइट बनाने में मदद करता है।

यह आपको पूरे दिन जर्म्स से प्रोटेक्शन देता है। साथ ही इसका मिंट आपकी सांसों को फ्रेश बनाता है। यह पुरुषों और महिलाओं के लिए बहुत ही बढ़िया टूथपेस्ट होता है।

14 HERBS IN DANT-NIROGI TOOTHPASTE

1. एलोवेरा (Aloe Vera) Tooth Paste से दांतों को साफ करने पर दांतों का पीलापन, दांतों की सड़न (Teeth Cavity), मुंह से आने वाली बदबू और मसूड़ों से खून निकलने की दिक्कत दूर हो जाएगी, पीले दांतों को साफ करेगा यह Dant-Nirogi से चमकदार दिखने लगेंगे दांत, मसूड़ों से खून आना भी हो जाएगा बंद.

2. लौंग (Clove) इस गरम मसाले से तेल भी निकाला जाता है जो हमारे दांतों के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है. इस Dant-Nirogi Paste में एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाई जाती है. दांतों को सड़न से बचाने के लिए आप Dant-Nirogi को एफेक्टेड टूथ पर लगा लें.

3. तुलसी:- दांतों में होने वाली बीमरियों से लड़ने में मदद करते हैं। तुलसी मुंह से दुर्गंध को रोकने में भी काफी कारगर साबित हुई है में भारी मात्रा में यूजेनॉल (1-हाइड्रॉक्सी-2-मेथॉक्सी-4 एलिलबेंजीन) होता है। यह शरीर में सूजन पैदा करने वाले तत्वों को रोकने का काम करता है। तुलसी के पत्तों में लगभग 71% यूजेनॉल और 20% मिथाइल यूजेनॉल होता है। अगर आप दांत के दर्द से परेशान हैं, तो आपको Dant-Nirogi Paste को इस्तेमाल करना चाहिए।

4. (Acacia)बूबल:- से दांतों की मजबूती अच्छी की जाती है, यह दांतों से जुड़ी तमाम परेशानियों को दूर करने में प्रभावी होता है। जी हां, बबूल के फूलों का इस्तेमाल करने से दांतों की मजबूती को बेहतर किया जाता है। बबूल के फूल में कई तरह के गुण पाए जाते हैं, जो दांतों में दर्द, बदबू, दांतों से खून आने की समस्या को कम करते हैं।

5. Neem:- दांतों में कीड़ों से बचाव- बच्चों को दांतों में कीड़ा होने की समस्या तो आम हैं। चॉकलेट खाते रहते हैं और दांत दर्द से रोते रहते हैं। अगर आप नियमित रूप से नीम के दातुन से दांतों को साफ करेंगे तो कभी भी कीड़े की समस्या नहीं होगी, क्योंकि यह किटाणुनाशक होता है। मुँह में बदबू, पस और सड़न से राहत दिलाता है , मुँह के छालों को जल्दी ठीक करता है- नीम के दातुन का एन्टी-माइक्रोबायल गुण मुँह के छालों को जल्दी ठीक करता है।

6. गुलाब:- में खून को साफ करने के गुण होते हैं, इसलिए अगर आपको खून से जुड़ी किसी भी तरह की समस्या हैं तो आप गुलाब की पंखुड़ियों को पीसकर या चबाकर खा सकती हैं, इससे आपको काफी फायदा होगा। दातों में दर्द और मसूड़ों में खून आने जैसी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए गुलाब की पंखुड़ियों को पीसकर खाएं (DANT-NIROGI PASTE)

7. पुदीना:- ये पत्ते बहुत ही सुगंधित होते हैं. इन पत्तों में एंटीबैक्टीरियल गुण, एंटीऑक्सीडेंट गुण और फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं. पुदीने के पत्तों में मेन्थॉल होता है. पुदीने की पत्तियों के कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं.

8. निर्गुंडी:- विटामिन सी से भरपूर निर्गुंडी को एक बहुत अच्छा प्राकृतिक एंटीबायोटिक माना जाता है. इसके साथ ही यह सूजन को भी कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. यही कारण है कि निर्गुंडी की जड़ के सेवन से इस के काटने से कुल्ला करने से टॉन्सिल भी खत्म होता है.

9. तिमूर:- को पहाड़ों का नीम भी कहा जाता है। नीम की तरह यह भी कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इसके इस्तेमाल से आप हाई ब्लड प्रेशर से लेकर मुंह की बदबू को कम कर सकते हैं। तिमूर के बीजों से लेकर लकड़ियों का इस्तेमाल किया जाता है। उत्तराखंड के पहाड़ों में इसका पेड़ आपको आसानी से नजर आएगा। इसके बीज से स्वास्थ्य को कई लाभ होते हैं।

10. वायविडंग:- भारत में मुख्यत मध्य हिमालयी क्षेत्रों तथा मेघालय में 1500 मी की ऊँचाई पर, कोंकण के निचले पहाड़ी क्षेत्रों, दक्षिण भारत एवं अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों में इसके क्षुप पाये जाते हैं। चरकसंहिता के कृमिघ्न, कुष्ठघ्न आदि गणों में तथा सुश्रुतसंहिता के सुरसादि तथा पिप्पलयादि गणों में की गई है।

11. नींबू:- मुस्कुराता चेहरा भला किसे पसंद नहीं होता। लेकिन मुस्कुराते हुए चेहरे पर अगर आपके दांत पीले नजर आ रहे हैं तो आपके दांत आपके लिए अनादर का कारण बनते हैं। जिस तरह आपके चेहरे की चमक आपको आकर्षक बनाती है, उसी तरह आपके दांतों की चमक भी आपके व्यक्तित्व को निखारती है।

12. मंजिष्ठा:- मजीठ पौधे की जड़ को मंजिष्ठा कहा जाता है। मजीठ का वैज्ञानिक नाम रूबिया कॉर्डिफोलिया एल (Rubia cordifolia L) है। यह कॉफी परिवार Rubiaceae से संबंधित फूलों वाले पौधे की एक प्रजाति है। इसकी खेती जड़ों से प्राप्त होने वाले लाल पिगमेंट यानी मंजिष्ठा के लिए की जाती है। इसे आयुर्वेदिक प्रणाली में मूल्यवान औषधीय पौधा माना जाता है और इस जड़ी-बूटी का इस्तेमाल कई रोगों से निजात पाने और शारीरिक समस्याओं को दूर करने के लिए किया जाता है

13. माजूफल:- दांत दर्द दूर करे, घाव भरने में कारगर, दाग-धब्बों से दिलाती है छुटकारा माजूफल को बारीक पीसकर इसका मंजन भी बना सकते हैं। रोजाना माजूफल से ब्रश करने से मुंह की दुर्गंध और दर्द से छुटकारा मिलता है। माजूफल और फिटकरी का पानी मुंह या जीभ के छालों का भी इलाज करता है।

14. अजमोदा (Ajmoda Plant):- ढेर सारे पत्तों और सफेद फूलों वाली द्विवार्षिक पौधा है। इसके चमकीले हरे पत्ते बिखरे तथा सिकुडे हुए होते हैं। अजमोदा के दो प्रमुख प्रकार हैं। एक जो पत्तों के लिए बढ़ाई जाती हैं और दूसरी जो शलजम जैसी जडों के लिए बढ़ाई जाती है। इसके फूलने वाला डंठल दूसरे साल में 100 से.मी. तक लंबे हो जाते हैं।

GET HEALTHY TEETH

USE DANT-NIROGI TOOTHPASTE

हेल्दी और चमचमाते दांत न सिर्फ आपके चेहरे की खूबसूरती में चार-चांद लगाने का काम करते हैं बल्कि खाने को चबाने में भी मदद करते हैं। इससे आपका पेट भी दुरुस्त रहता है क्योंकि जब दांत आपके खाने को अच्छी तरह से चबाते हैं, तो पेट को ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती है। हालांकि, दांतों की हेल्थ बरकरार रखना बहुत जरूरी है क्योंकि अगर आप ऐसा नहीं करती हैं, तो आपके दांत कमजोर और पीले पड़ जाते हैं।

कमजोर दांत की वजह से कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है जैसे- दांतों का पीला होना, दांत में कीड़े लगना, दांतों का असमय टूट जाना आदि। इसलिए दांत साफ करने के लिए मिस्वाक का इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि दांतों को साफ करने का यह तरीका काफी पुराना है। हालांकि, अब बाजार में दांतों को साफ करने के लिए कई तरह के टूथपेस्ट मिलने लगे हैं, जिन्हें कई तरह के केमिकल से तैयार किया जाता है। लेकिन ये प्रोडक्ट केवल दांतों को साफ करने का काम करते हैं। इसलिए कई लोग दांतों की अन्य समस्या से छुटकारा पाने के लिए नेचुरल प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं।

THANKS FOR YOU VERY MUCH
YOU GIVE YOU'R TIME

MANMESH
INDUSTRIES PVT. LTD.
MANMESHIND.COM
MANMESH47@GMAIL.COM